NEWS CLIPPING: 20.02.2020

NAVBHARAT TIMES

नई तकनीक को सीखने की जरूरत पर दिया जोर

वाईएमसीए कॉलेज में थिन फिल्म तकनीक पर हुई कार्यशाला

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी की फिजिक्स सोसायटी की तरफ से थिन फिल्म डिपोजिशन तकनीक पर आयोजित की जा रही चार दिवसीय कार्यशाला का बुधवार को शुभारंभ किया गया।

कार्यशाला का आयोजन टेक्निकल एप्लीकेशन सर्विस के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र में टेक्निकल एप्लीकेशन सर्विस नई दिल्ली के निदेशक डॉ. आरके गर्ग मुख्य अतिथि रहे। सत्र की अध्यक्षता यूनिवर्सिटी कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार ने की। उन्होंने कहा कि थिन फिल्म्स का आधुनिक प्रौद्योगिकी में महत्व काफी बढ़ गया है। यह ऑप्टिकल उपकरणों, पर्यावरणीय उन्नत अनुप्रयोगों, दूरसंचार उपकरणों व ऊर्जा उपकरणों में प्रमुखता से प्रयोग की जा रही है। थिन फिल्म्स तकनीक के बढ़ते उपयोग के कारण छात्रों के लिए अध्ययन की दृष्टि से इसकी अहमियत बढ़ गई है। कुलपति ने प्रतिभागियों को कार्यशाला में भाग लेने व नई तकनीक को सीखने की आवश्यकता पर बल दिया। विभागाध्यक्ष डॉ. अनुराधा शर्मा ने कार्यशाला के आयोजन के बारे में जानकारी दी।

NEWS CLIPPING: 20.02.2020

PUNJAB KESARI

डिग्री के साथ-साथ इंजीनियरिंग कौशल भी हासिल करें विद्यार्थी'

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के एलुमनाई ने विद्यार्थियों से किया संवाद

फरीदाबाद, 19 फरवरी(पूजा शर्मा): पूर्व छात्रों के साथ संवाद तथा जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा पूर्व छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में औद्योगिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों ने भाग लिया। संवाद कार्यक्रम के दौरान पूर्व छात्रों ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की प्रयोगशालाओं और पाठ्यक्रम में सुधार के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव दिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. पूनम सिंघल ने की। इस अवसर पर एलुमनाई सदस्यों ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों के साथ विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की तथा विद्यार्थियों द्वारा अंतिम वर्ष किए जाने वाले प्रोजेक्ट्स के महत्व पर बल दिया। एलुमनाई सदस्यों ने विद्यार्थियों को औद्योगिक समस्याओं से संबंधित प्रोजेक्ट्स बनाने के लिए प्रेरित किया तथा आश्वासन दिया कि विद्यार्थियों के अच्छे इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स को एलुमनाई एसोसिएशन की ओर से फंडिंग भी की जाएगी। एलुमनाई सदस्यों ने विद्यार्थियों के साथ अनुभव साझा किए तथा उन्हें अध्ययन के समय का सही उपयोग करने, इंजीनियरिंग की बुनियादी ज्ञान एवं कौशल हासिल करने के लिए बल दिया। उन्होंने कहा कि यह सही है कि औद्योगिक जगत में विश्वविद्यालय का एक अच्छी ब्रांड इमेज है जिससे विद्यार्थियों को अच्छी कंपनियों में नौकरी पाने में मदद मिल सकती है लेकिन नौकरी पाने के बाद, कौशल और ज्ञान ही है जो उन्हें उनकी नौकरी को सुरक्षित बनायेगा। इसलिए विद्यार्थी डिग्री हासिल करने के साथ-साथ इंजीनियरिंग कौशल भी हासिल करें। इससे पहले, रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विसेज, गुरुगांव में सीनियर डिप्टी जनरल मैनेजर श्री अभिषेक शर्मा ने अक्षय ऊर्जा संसाधनों के रेलवे और औद्योगिक क्षेत्र में महत्व एक प्रस्तुति दी तथा अक्षय ऊर्जा संसाधनों से संबंधित विषय को पाठ्यक्रम में शामिल करने का सुझाव दिया। डेल्टा इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रोडक्शन के निदेशक, मैनेजर मार्केटिंग ने विश्वविद्यालय में पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव्स लैब के विकास और आधुनिकीकरण में विभाग को सहयोग देने की पेशकश की। इसी तरह कुछ अन्य एलुमनाई ने विभिन्न एक्सप्रटिज को लेकर विभाग के साथ समझौता करने के लिए अपनी इच्छा दिखाई है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने पूर्व छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम के आयोजन को लेकर विभाग के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्र की विश्वविद्यालय की मजबूत विरासत का हिस्सा है तथा विश्वविद्यालय के विकास में उनकी अहम भूमिका है। इस अवसर पर उपस्थित अन्य एलुमनाई सदस्यों में डेल्टा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड में रोबोट ऑटोमेशन सॉल्यूशन प्रमुख सुधीर चैधरी, त्रिवेता मेटल्स से श्री सुनील यादव, बेल्ज इंस्ट्रूमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एके नेहरा, सिकुरा इंजीनियर्स से कुलवंत सिंह, भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड में जूनियर इंजीनियर श्री इंद्रजीत सिंह, महिरावली सिस्टम्स के निदेशक जगजीत सिंह सोढी, एनकोडर्स इंडिया से राजेश नांगिया, जीईटी एंड डी इंडिया लिमिटेड से सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रबंधक जय प्रकाश अरोड़ा और केंद्रीय लोक कार्य विभाग से सेवानिवृत्त सहायक अभियंता सुनील दत्त शर्मा शामिल थे।

पूर्व छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम के दौरान एलुमनाई सदस्य विभागाध्यक्ष डॉ. पूनम सिंघल तथा कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग से बातचीत करते हुए। *(छाया: एस शर्मा)*

विद्यार्थियों के इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स को एलुमनाई एसोसिएशन की ओर से की जाएगी फंडिंग

पंजाब केसरी ई-पेपर Thu, 20 February 2020 https://epaper.punjabkesari.in/c/49196186

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 20.02.2020

DAINIK SAVERA TIMES

थिन फिल्म्स तकनीक का आधुनिक प्रौद्योगिकी में बढ़ रहा है महत्व : कुलपति

थिन फिल्म डिपोजिशन तकनीक पर आधारित चार दिवसीय हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग कार्यशाला का किया उद्घाटन

बल्लभगढ़, 19 फरवरी (संदीप पराशर): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद की फिजिक्स सोसाइटी 'प्रज्ञान' द्वारा थिन फिल्म डिपोजिशन तकनीक पर आधारित चार दिवसीय हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग कार्यशाला आज उद्घाटन किया गया। कार्यशाला का आयोजन टेक्निकल एप्लीकेशन सिर्वस, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में टेक्निकल एप्लीकेशन सिर्वस, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. आर.के. गर्ग मुख्य अतिथि रहे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग तथा फिजिक्स विभाग की अध्यक्षा डॉ. अनुराधा शर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित थीं। कार्यशाला की शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं गणमान्य लोगों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से किया गया।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में विद्यार्थियों के साथ बातचीत करते हुए कुलपति प्रो . दिनेश कुमार।

इस अवसर पर बोलते हुए, कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने कहा कि थिन फिल्म्स का आधुनिक प्रौद्योगिकी में महत्व काफी बढ़ गया है। यह विभिन्न क्षेत्रों जैसे ऑप्टिकल उपकरणों, पर्यावरणीय उन्नत अनुप्रयोगों, दूरसंचार उपकरणों और ऊर्जा उपकरणों में प्रमुखता से प्रयोग की जा रही है। थिन फिल्म्स तकनीक के बढ़ते उपयोग के कारण विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों के लिए अध्ययन की दृष्टि से इसकी अहमियत बढ़ गई है। कुलपति ने प्रतिभागियों को कार्यशाला में भाग लेने तथा नई तकनीक को सीखने की आवश्यकता पर बल दिया।

इससे पहले, विभागाध्यक्ष डॉ. अनुराधा शर्मा ने सभी विशिष्ट अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। उसने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को थिन फिल्म्स की कार्यप्रणाली के प्रयोगात्मक कौशल और निर्माण पर शिक्षति करना तथा उन्हें इसकी भौतिक एवं रासायनिक चित्रण तकनीकों की मौलिक अवधारणा से अवगत करवाना है। कार्यशाला के दौरान, थिन फिल्म तकनीक से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी तथा प्रतिभागियों को हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग भी प्रदान की जायेगी।

दैनिक सवेरा TV
Thu, 20 February 2020
epaper.dainiksaveratimes.org/c/49186160

NEWS CLIPPING: 20.02.2020

DAINIK BHASKAR

डिग्री के साथ इंजीनियरिंग कौशल भी हासिल करें स्टूडेंट्स: डा. गर्ग

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के एलुमिनाई ने किया संवाद

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

पूर्व छात्रों के साथ संवाद तथा जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग ने पूर्व छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें औद्योगिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों ने भाग लिया। संवाद कार्यक्रम के दौरान पूर्व छात्रों ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की प्रयोगशालाओं और पाठ्यक्रम में सुधार के लिए अपने सुझाव भी दिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डा. पूनम सिंघल ने की। इस दौरान एलुमिनाई सदस्यों ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के स्टूडेंट्स के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की। कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने कहा कि डिग्री के साथ-साथ इंजीनियरिंग कौशल भी स्टूडेंट्स हासिल करें। स्टूडेंट्स ने अंतिम वर्ष किए जाने वाले प्रोजेक्ट्स के महत्व पर बल दिया। एलुमिनाई सदस्यों ने स्टूडेंट्स के साथ अनुभव भी साझा किए। उन्हें अध्ययन के समय का सही उपयोग करने, इंजीनियरिंग की बुनियादी ज्ञान एवं कौशल हासिल करने के लिए बल दिया।

NEWS CLIPPING: 20.02.2020

AMAR UJALA

आधुनिक प्रौद्योगिकी में थिन फिल्मस का महत्व काफी बढ़ा : डॉ. गर्ग

जेसी बोस विवि में चार दिवसीय हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग कार्यशाला शुरु

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए और दिल्ली के टेक्निकल एप्लीकेशन सर्विस के संयुक्त तत्वावधान में थिन फिल्म डिपोजिशन तकनीक पर आधारित चार दिवसीय हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसकी शुरूआत टेक्निकल एप्लीकेशन सर्विस नई दिल्ली के निदेशक डॉ. आरके गर्ग ने की। कार्यशाला की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। कुलपति प्रो. दिनेश ने कहा कि थिन फिल्मस का आधुनिक प्रौद्योगिकी में महत्व काफी बढ़ गया है। यह विभिन्न क्षेत्रों जैसे ऑप्टिकल उपकरणों, पर्यावरणीय उन्नत अनुप्रयोगों, दूरसंचार उपकरणों और ऊर्जा उपकरणों में प्रमुखता से प्रयोग की जा रही है। थिन फिल्म्स तकनीक के बढ़ते उपयोग के कारण विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए अध्ययन की दृष्टि से इसकी अहमियत भी काफी बढ़ी है। ब्यूरो